page: 1504

DATE: 11/08/2020

BLASS: B.A(H)PART-2ND

SUBJECT: POLITICAL SCIENCE

PAPER : II (INDIAN GOVERNMENT DEPTT. OF POL. SC.

CH: 06 (THE UNION EXECUTIVE;

LECTURE: 34 (THIRTY FOUR)

OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SC.
D.B. GOLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

भारतीय द्राष्ट्रपति की संकटकार्यान सामित्रंगं : संकट या आपात करि स्थिति सामना करने के भिरु संविधान दारा बराइपति विश्रीष स्व कादितीय शावित प्रहान की गई। संकटकार्यान शाबित या संकटकार्यान प्रावधानीं

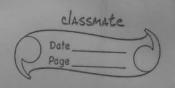
(1) यह बाहरी आव

की स्वीत के सम्बंधित संकटकार्यान त्यवत्था (आ. 352) इसे बार्ट्रीय क्राणात कहा जाताहै। बार्ट्रीय क्राणात के लम्बंध में प्रविधानिक व्यवस्था निम्न प्रकारिंड-

(डं) अनुन्दि 352 में अल्लेट्व हैं कि गुद्ध ? बाहरी आक्रमण? या यशस्त्र विद्रोह के कारण समुर्ण अरत या इसके किसी आज की सुरक्षा खतरे में हो तो राष्ट्रपात राष्ट्रीय आपात की खीषणा कर सकता है

(९) मूल द्विधान में आंतरिक अशांति 'शहह का अल्पिय था, जिसकी 44 में जिल्लान स्थोधन, 1978 दारा हटाकर उसके ट्यान पर यशस्त्र विद्रीर की जीहा गया।

(iii) बाब्हीय आपात करी खीषणा शब्दपति है दारा तभी करी जा सकती है, जब खेष का मैत्रिमंडम मिष्टित रूप ही री महत्वाव उसे मैजहें '



(ण) रेम बीमणा का संकल्प संतद के प्रत्येष सहमद्धार अप सहन करी कुल सहन्य मेळ्या के बहमत तथा अपान्तित व मतहान करने वार्त सहन्यों का ही-बीगा। यह अनुमोहन रुक माह के औहर हीना सारिए। यदि एक माह के औहर हीना मियने पर यह प्रवर्तन में नहीं रहता, किन्तु रुक बार अनुमोहन मियने पर कह माह के पिए प्रवर्तन में बना रह सकता है। पुत: कह अनुमोहन के बाह अगर्स कह माह के भए, इसी तरह की अनिष्यत कार

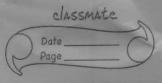
(V) धीकसभा में उपालित २०वें मतहान में भागा पने वार्ष सहस्यों के साधारण अहमत से राहरीय आपात की समाप्त किया जा सकता है।

(VI) रास्ट्रीय आपात पर जिन्सार हेत पीक सका की बीड़क बीक दाना के 1/10 सहस्यों की मौंग पर अनिवाय रेप से खुरायी जायेगी।

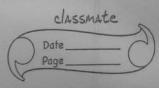
(गां) आपातं भी खीषना की न्यायामय में युनीति ही

(भा) टास्ट्रील आपात के प्रवर्तन या पात्र करने के सम्मा अनुर 20 रुषे 21 के अन्तर्गत उत्तरी कि मी तिक आधिकार की स्वीडकर श्री मी तिक आधिकार विमालित ही जाते हैं।

अर्भ तक शहरीय क्यापात तीन बार तामू किए जाए हैं (1) 1962 में भारते पर जीन डे आक्रमण डे सम्म (1) 1971में भारत पर पाहिस्तान का आक्रमण (11) 1975 में 1



सर्वधानिक तेत्र के विफास हीने 2162412 211मन 1 gera य क का पापन कर 5 171 301 के के अन्त्प प्रशासन न्यमने की अगाव्याट पर ग H 4 AT के लाखारम वर्मन 21/90/10 विन छव कि श्राप्य states & INC STIC 2291 451 जा सक्गा , जाव 165211 3नापात (अक्ठ 352) अवतन



के वाह GAZAIM 31 Q H 60 97K STA NOS 201-21 EKASK 5-211211 Cer 1(0) 211